राजकीय महाविद्यालय संगड़ाह

संस्कृत विभाग

विभाग विवरण :-

" भारतस्य प्रतिष्ठे द्वे संस्कृतं संस्कृतिस्तथा "

महाविद्यालय के स्थापना वर्ष २००६/2006 से ही संस्कृत विभाग को आरंभ किया गया हैं। विभाग का उद्देश्य छात्रों को संस्कृत भाषा द्वारा भारतीय संस्कृति, वैदिक विरासत, परिष्कृत, परिशोधित, अलंकृत संस्कृत साहित्य का ज्ञान कराना हैं। संस्कृत विभाग का उद्देश्य छात्रों को न केवल संस्कृत भाषा की शिक्षा देना है अपितु संस्कृत भाषा, संस्कृत साहित्य द्वारा साहित्यिक, दार्शनिक, आध्यात्मिक, वैज्ञानिक सोच के साथ नैतिक मूल्यों का विकास करना भी हैं जो छात्रों की सामाजिक उद्देश्यों की पूर्ति करें।

भावी संभावनाएं :-

1. भारतीय प्रशासनिक सेवाओं के लिये संस्कृत (वैकल्पिक विषय) उत्तम हैं।
2. संस्कृत विषय पढ़ने से हि. प्र. के सरकारी विद्यालय में प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (संस्कृत) (पूर्व में पदनाम शास्त्री) तथा प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (कला) हेतु अवसर प्राप्त होते हैं। संस्कृति, पुरातत्व या शिक्षा पर केंद्रित सरकारी विभागों में कार्य करना।
3. शैक्षिणक और अनुसंधान :- प्रोफेसर / व्याख्याता विश्वविद्यालयों या कॉलेजों में संस्कृत भाषा, साहित्य और दर्शनशास्त्र पढ़ाना। संस्कृत भाषा विज्ञान, दर्शन, प्राचीन विज्ञान और साहित्य में अनुसंधान की अपार संभावनाएं प्रदान करती हैं। प्राचीन पांडुलिपियों की व्याख्या और डिकोडिंग के लिए संस्कृत में विशेषज्ञता वाले विद्वानों की मांग की जाती हैं।
4. अनुवाद और व्याख्याता :- अनुवादक: प्राचीन ग्रंथों, धर्मग्रन्थों और साहित्यिक कृतियों का संस्कृत से आधुनिक भाषयों में और इसके विपरीत अनुवाद करना।
   दुभाषिया : शैक्षणिक या धार्मिक संदर्भों में संस्कृत के लिए अनुवाद सेवाएं प्रदान करना।
5. सांस्कृतिक एवं विरासत प्रबंधन : सांस्कृतिक सलाहकार: भारतीय संस्कृति, विरासत और इतिहास से संबंधित परियोजनाओं पर सलाह देना, जिसमें अधिकांश संस्कृत ग्रंथ शामिल हो।
6. प्रकाशन एवं संपादन: संपादक:- संस्कृत साहित्य से संबंधित कार्यों या भारतीय दर्शन और संस्कृति पर केंद्रित प्रकाशनों का संपादन। प्रकाशक:- ऐसे प्रकाशन गृहों के साथ काम करना जो संस्कृत ग्रंथों या अनुवादों में विशेषज्ञता रखते हों।
7. धार्मिक एवं आध्यात्मिक संगठन ; अनुष्ठान और समारोह सम्पन्न कराना जिनके लिए संस्कृत शास्त्रों का ज्ञान आवश्यक हैं। विभिन्न धार्मिक और आध्यात्मिक परिवेशों मे संस्कृत साहित्य और दर्शन शास्त्रों को पढ़ाना।
8. भाषाविज्ञान और भाषा प्रौद्योगिकी :- संस्कृत की संरचना और विकास तथा आधुनिक भाषाओं पर इसके प्रभाव का अध्ययन करना। सॉफ्टवेयर विकास संस्कृत भाषा के उपकरणों और अनुप्रयोगों सहित भाषा प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों पर कार्य करना।
9. पर्यटन और आतिथ्य : टूर गाइड: ऐसे प्रमुख टूर जो संस्कृत शिलालेखों और ग्रंथों वाले ऐतिहासिक स्थलों पर केंद्रित हों।

10. वैश्विक मान्यता :- संस्कृत अपनी वैज्ञानिक संरचना तथा योग, आयुर्वेद और दर्शन से संबंध के कारण अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त कर रही हैं। अंतरराष्ट्रीय संस्थानों तथा योग केंद्रों में भी संस्कृत पढ़ाना आजीविका का उत्तम साधन बन सकता हैं।

स्नातक उपाधि हेतु संस्कृत पाठ्यक्रम:-
BA SANSKRIT\BA Sanskrit Syllabus.pdf

	Minor	Major	Optional	Optional
स्नातक प्रथम वर्ष First Year	**DSC-1A** SKT-DSC-101 संस्कृत काव्य **DSC-1B** SKT-DSC-102 संस्कृत गद्य काव्य		English-Hindi/Skt (One out of three) **SKT-AECC-104** उपनिषद,श्रीमद्भगवद्गीता तथा पाणिनीय शिक्षा	Skt/Hindi/ **SKT-DSC-103** नीति साहित्य
स्नातक द्वितीय वर्ष Second Year	**DSC-1C** SKT-DSC-201 संस्कृत नाटक **DSC- 1D** SKT-DSC-202 संस्कृत व्याकरण	**SEC-1** SKT-AEEC-205 आयुर्वेद के मूल सिद्धांत **SEC-2** SKT-AEEC-206 संस्कृत छंद एवं गायन		Skt/Hindi/MIL-2 **SKT-DSC-203** व्याकरण एवं संयोजन
स्नातक तृतीय वर्ष Third Year	**DSE-1A** SKT-DSE -301 व्यक्तित्व विकास का भारतीय दृष्टिकोण **DSE-1B** SKT-DSE-302 साहित्यिक समालोचना	**SEC-3** SKT-AEEC-305 भारतीय रंगशाला **SEC-4** SKT-AEEC-306 भारतीय वास्तुशास्त्र		**GE-1** SKT-GE-303 पातंजल योगसूत्र **GE-2** SKT-GE— 304 भाषाविज्ञान के मूलभूत सिद्धान्त
Details of Course and Credits	**DSC**- Discipline Specific Course **DSE** -Discipline Specific Elective DSC & DSE – **6** Credit each	**SEC**-Specific Elective Course SEC – 4 Credit each	**Minor**- DSC & DSE **Major**- DSC & DSE + SEC	**AECC**-Ability Enhancement Course **GE**- General Elective GE – 6 Credit each AECC – 4 Credit

चन्द्र प्रकाश पथिक
सहायकाचार्य संस्कृत
राजकीय महाविद्यालय संगड़ाह
जिला सिरमौर, हि. प्र.